



अन्ननाशुदाय ॥ तस्य दितये वालगारुहलथोने
 दिन २ मा ५ २ वर ५ २ हे ल स वा हे ई व मि था थ क नी
 भती चानना ई व भती न खो ई व न य पु वा ई व न न म
 का स्य वो नी व ला हा भु धी व थ ते या पा ती ह न मा न पु
 या य स मु नी ह्य ल मु ज न का आ चो तु की माल स मे जो
 ल न आ मु ह्य मु थ ह्य मु ई लो वी थ ते ह न मा न यो
 त ह ते प यो त ने स र द य के भू त पा ल स स द य के र का गा य
 लो वा ह्य श्री रु ज न आ पु मु माल थ या त द्वा य रो ड्य थ
 म्वा त लं थ धो ड ह मो पु प सा या ला भा र व्वा वी
 मु ई का प का कु न थ ने गाला वी य वा हा
 जा व वे ल स द थी न दी सा प्र पे का ल स वा य स रू त माल स
 ल य स भु जा त य मु मि म पु ई हा य उ पु ई की पु व र शार न म व



ॐ नमो मुखमनिकाय ॥ तस्य चतुर्थवालग्रहलक्षणं
चतुर्थदिने ४ मास ४ वय ४ ज्वल वयुव मोलप्याई व पीपी
प्याक जाई व खोय वलागी वाई व मुमुवई न कर होई वला
हाउतीप्याई र क गुलीथ पई नाना की गारजुई वला हात
मुदीई व हातुदीई व ॥ ॥ थते या शाई वी धी थती ईता थीता
थीता या वा कथा हय तुयुगुह मोलन ल लुज्या ज्या नातय
प्रपाच पात ३ ज व व वली को मतया दोला मतय फागा पा
तादय वातय सो मुसीह त्या जनम का ला मुउ थाया तदाय
राज थ दुदु धउ म्या माय रंग था ला ॥ ५ प २ न नी धी
मति या धी धी या जी पा धा ३ वाल निरु कु स या हा
वा की जा व वेल म पूर्व ल मोय ज्य काल या दो मा ज तय
दि न ३ मा पा फार न म व ॥ ॐ वा र क म म मु दी का नार पाय सि मुष च कु मार
को प्य हा ॥ चाल ७ व म पुई के उ उ वि य थ ते न शा ई ॥ ॥ भु म ॥



ॐ नमो विद्वारि वाय ॥ तस्य पंचम वात ग्रहण धारण
पंचम दिग्गज नाम पंचम ॥ १ ॥ हात पा ३ मि २ ॥ ध्या क वे
पु ॥ प्रतिपा ३ ॥ सु ॥ हो म दु ३ ॥ मि म पि द नी घा ती न स्या यी व
चो ना नो ना था ॥ प्र ॥ हो ॥ म पु ३ ॥ मि म पि द नी व स्या प
व ३ ॥ न ह के त क ली व र जो र न पु ३ ॥ व ग्या ३ ॥ ॥
थ ते या पा ३ ॥ वि धी ना स द ॥ वो धा चा क या ह लु द य
के ॥ या स पा क या ह य ह लु द य के ३ ॥ व व व व ली को स
दो ला त य पा ग न म प ता क त य ह्या मु पि ध त य स्या ग न
म क ल ह्या मु थ य या त द्वा य हि न वा ला व दो ला म त
य ला न्या अ हि से पु दु च उ द्वा य ॥ धु प नि ह वा ल
मु चं या पा वी ॥ व ली ई का मा क या मि जाले ह गाले ॥ वा हि जा व वे ल मि
द र्वी न दि सा था हा व ना प्रे का ल प त य म को ॥ दी न र मा ल ॥ हा र न मं व
ॐ नमो नारायणाय ॥ त्रैलोक्य विद्या प न क रा य प व ग्र ह न मो य ह न र
व तु हा स्य न मु तं २ व लि गृ ह स्या हा ॥ ह नु म प्र पू जा ॥ अ ते न सा ३ ॥ ॥

[illegible]



ॐ नमो जं वू काय ॥ इत्यं भू मवातग्रहलज्ज ॥ २४ ॥
 मदि नज ट म्प स्य ट व र्ष ट मो मु स्य क थ र मु दि थ व ड तु ती ला
 हा त स्या क दु दु हो ई व ॥ अर त तो क पु यु व प्या त स्या ई त मु द्या
 न यु वा हा र्वा यु व न मान य म फ ई व थ ते या पां ती थो ॥
 पो ठ या हा मो ल ना प त या द्या व ल उ द य के अ त व पा प ज क व व
 ली को स त य दो ला प त य पु जा वी धी का गा प ता क तो यु चे व र स्या
 जं जं म का तु यु थ य धि य ता त द्वा य हि न वा ला जा दो ला प त य

जं कु दि सा प ल ला ज्ञ ध र ड ड ड वा ॥ शु प थु ती वा ल न का उ उ ली प कु प हा
 म स वा पा धे ल गो रे पं व पा त ॥ वा हि जा वे ल प द यी न दी सा म ॥ अ काल म त या
 थ के दि त र त य मा ल ॥ मार न म व ॥ ॐ तो व र धा जा य ॥ म ति म र तो व
 स य स र्व भू ता नि प्र भ ज य मो द त म दे व ता स मू द यी त त म्भ र कु मा री
 प्या हा २१ थ ते ने हा नि ॥ भु म ॥



ॐ नमो श्री गणेशाय ॥ तस्य नवम बाल ग्रह धारणं पन्न
वमदिने ॐ नमो माय्य ॥ श्री गणेशाय वायुयि पुई ॥
सुतु गडम मरु गथन वडू हे लय सुमी साथ कनी व
नोन मत्रा कवि काल लोक पुर उ नाना उनी नी
नाना उ नाना गा वी उ नाना यि वहा सानि वपरी
स्या क थो या गति खु या बाघो ॥ हिलु थने रवता
गपद नु व सुत पास मेलु थ यल इली को प
जेवर व देल तय फागा पता क त्या मुपी हल्लान
चउ उदु धा वजी ॥ थु प धा मी उ का प का वि सु जि धेल ॥ गाले कु मग
वा हि लय सी ना दे ग प्य का ल स त या थ के ॥ दिन ८ साला ॥ हाल म व थ
उ ल मोल के थ ग य रेलो के विद्या पन क र य प्रो यी ग्रहा भजय २ वर
वर यर उ प र वा हा धा २ पल प्य मा ल ॥ ५ नुम भ पूजा वेत ला जल का
या उ म म र ॥ नाना वहा ति ॥ ५ ॥

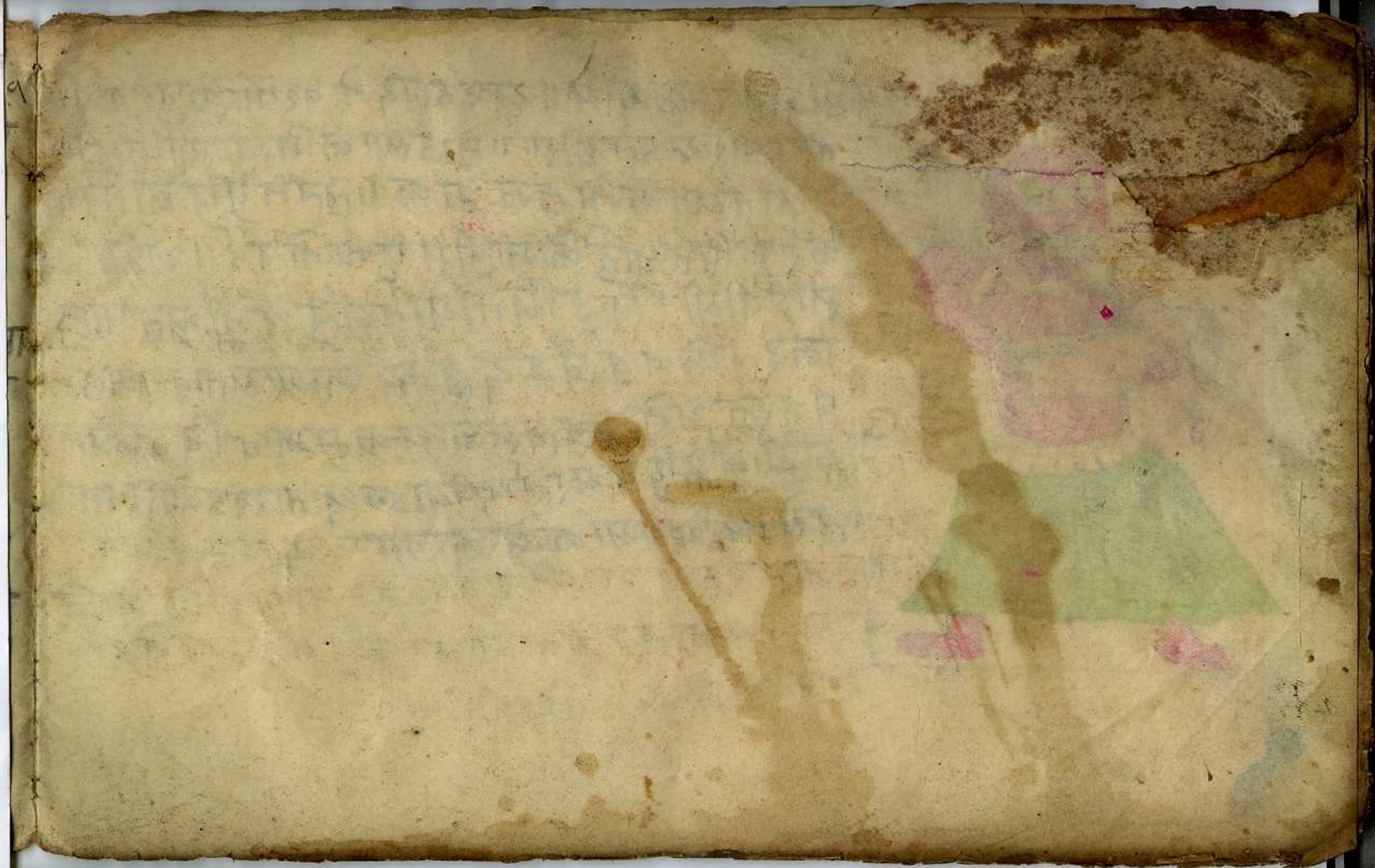
सतवरन



ॐ नमो रे वसिं का य ॥ तस्य काल गुरुत्वात्
 दिने १० मास १० वर्ष १० क्षण धातु चात का
 लि प ३ ॥ मरु यु व रक्षा तो क पुत्र हस्ति वरवाइ वृहत्त मा दे
 स्या यु व स्त्री थ ते र ग विधि इ या ई था ची ता य न क या के
 लु द य के म्रत पा स ह १ थ या त पू जा या य ॥ का रा प ता क प ता
 चा त स्या न ज ज का ण दे ड व ह ल वि ५ व द्रो बु ल म ध्या
 दे वा वा ल ॥ ॥ हा य व म म चो ला
 पु प था ति कु म हा सि सा य ल मा वि षु रि स पु का घ र न ग ले
 ना डी जा व वे ल प द वि न स प य य व न मा त के दो
 बी मा ल ॥ का र न म र ॥ ॐ न मो भ ग व त र व रा य ॥ भी क
 र पा प रु रु फ ह न र व के त ह २ ग ह र म र र खा हा धा ल
 र व ह नु म त पू जा वे त र वा न ज ज म क स्या उ तु की मा ला हा ड
 थ द्या य ॥ थ त ले नो ती ॥ ॐ ॐ

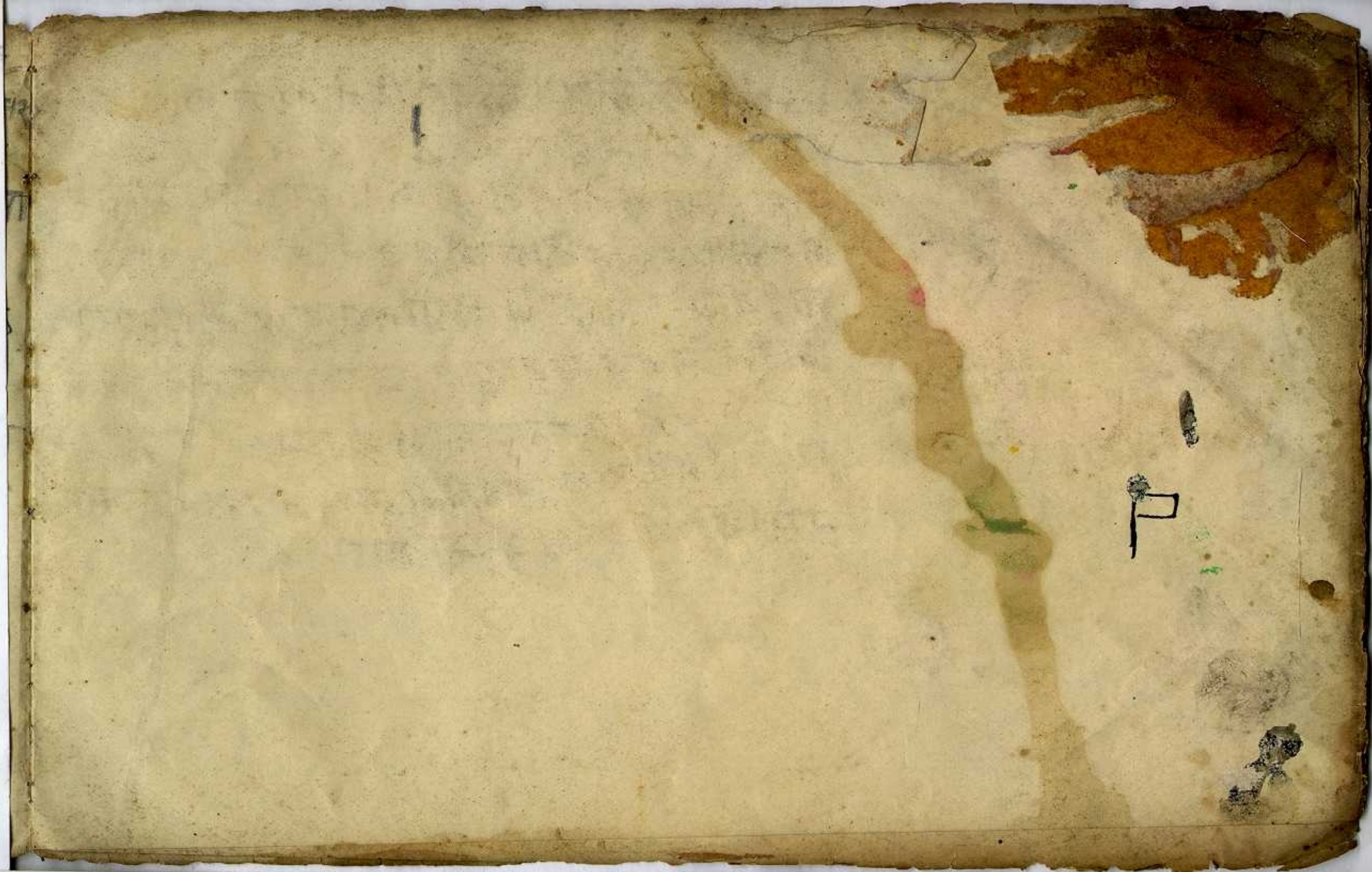


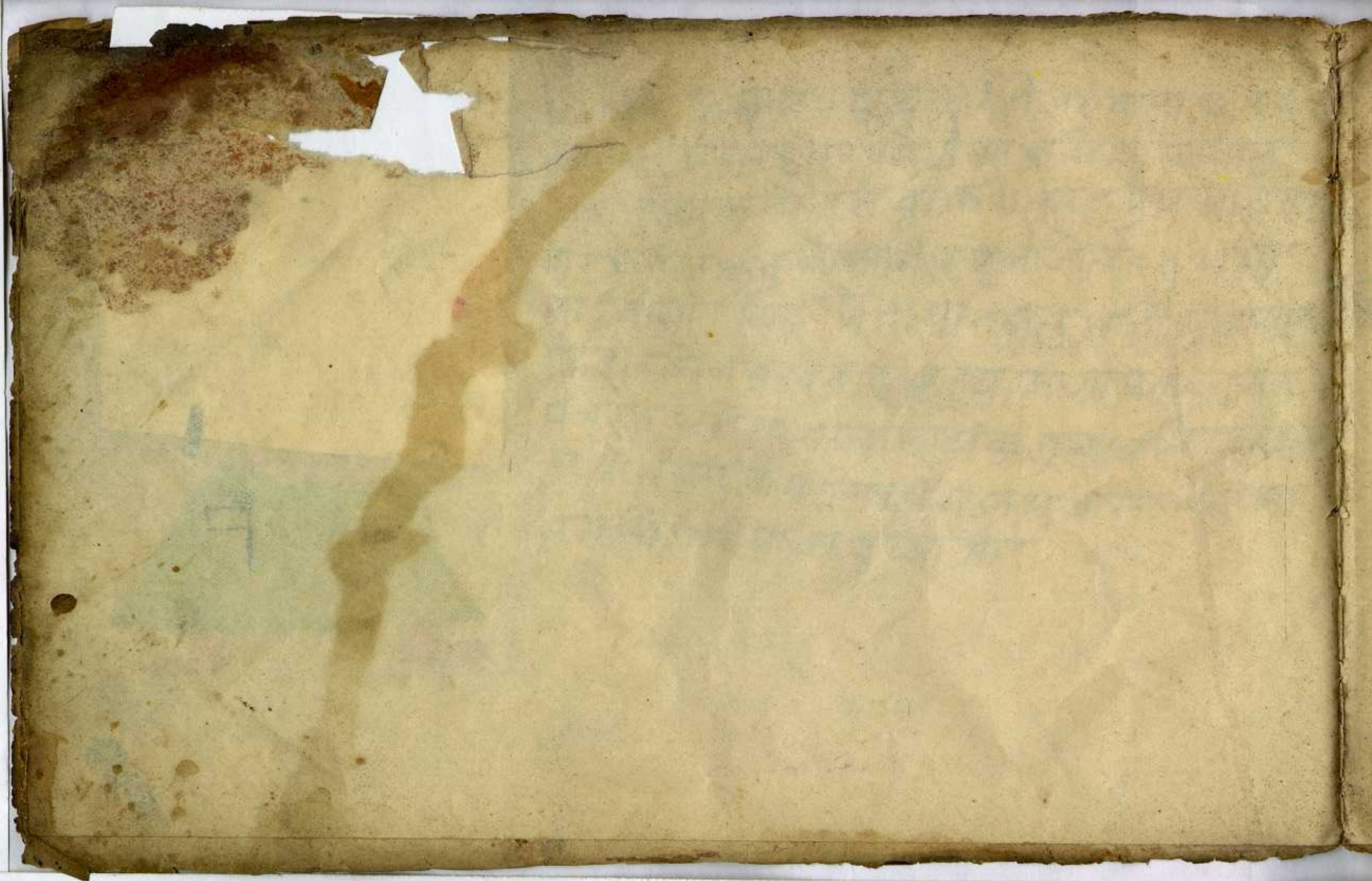
ॐ नमो प्रिरि पिदि काय ॥ एका दहादि ने ११ मासा ११ वर्य ११
 नम्य एका दस काल ग्रह लक्षण ॥ नय मय वतम वायु मिषा
 तोलर कनी व कृ लाहात म्या कु इई सोयु कहु वायि प वरा श्री
 मभि न भ य मा ल ॥ अते या शा जि वि धी मा प व पोत व ना प
 द्वा ज व अत पास थ म लु दय के वाल ३ ज व व कली को प ॥ पूजा
 वती वी धी ॥ का गा प ता क सा उ वेत खान जज का ज म प सा
 उ के मा ल ॥ द्वा य मा ल ज कु दिला उग हि थ द्य म ल ॥ धु प भौ उ
 या धि प को ल प गु म म मि वि बुली गु गु कु थ ने ॥ गाले व ल ग
 ल हर न वा कि न व वे ल प खो वु दि प व अतर पा दि ३ ।
 त प रा द य म व थ ॥ ॐ नमो रा व रा य । व न्द्र हा स ज्व लि त ह
 सा य प्र ज्व ल र ह न र प र पि द्वा मु व र मा हा इ रि उ जि व रे
 पु रे चो हा ॥ ॥ धा ल ७ चो न मा ल ॥ ह नु म त पू जा वे त १
 प्या न ज ज म का सा उ ॥ ॥ अती हां ती ॥ ॥

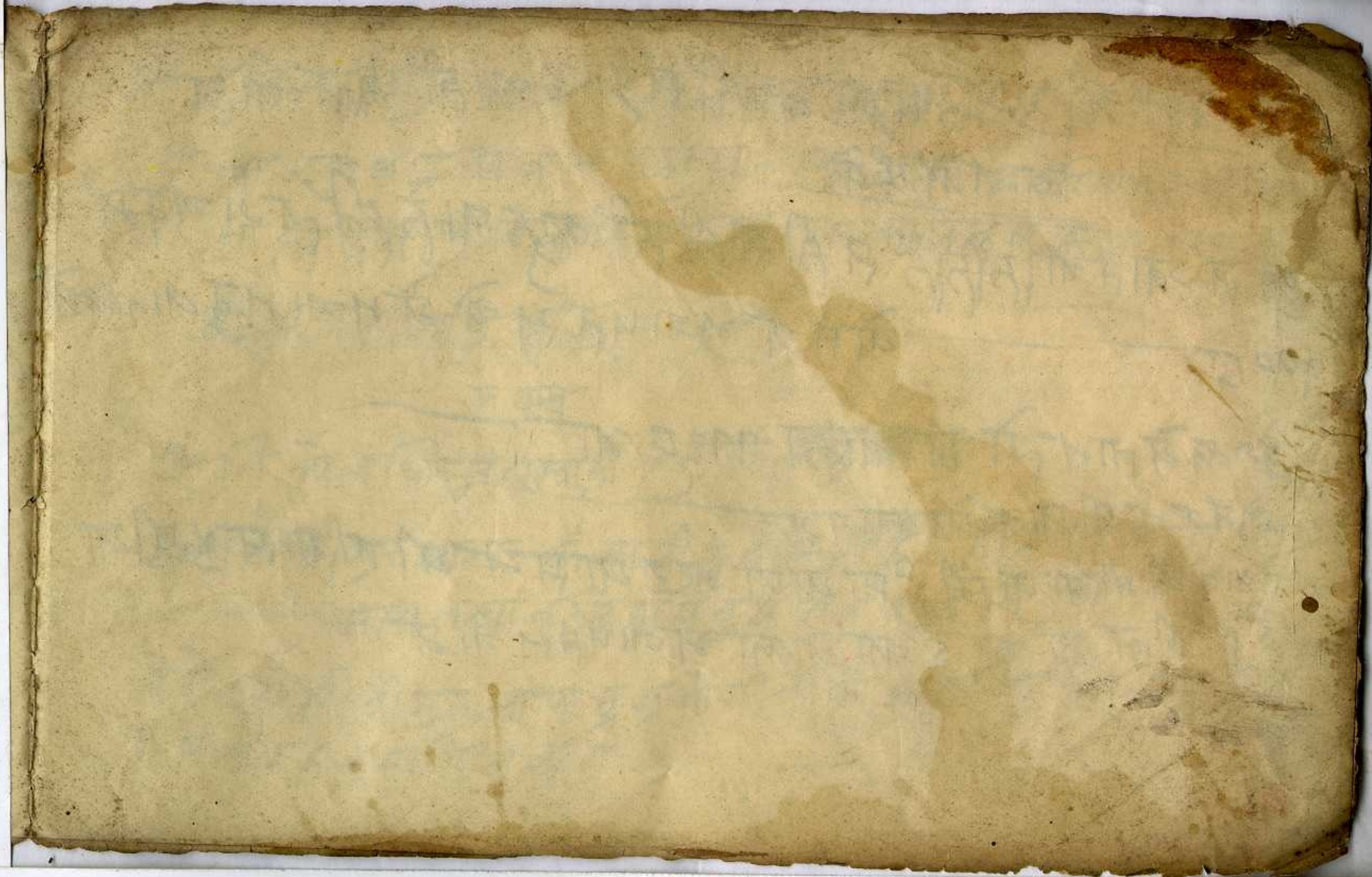




ॐ नमोऽस्तुते ॥ द्वादशदिने १२ मास्य १२ वर्ष
 तस्य वारं ग्रहलक्ष्मी ॥ मोडप्या कमिवाप्या कली
 लाहा तस्या कनो नम वा क ॥ ललन पुपु ध्या तस्या
 करं क पित धातु को माली स पूजा जाल व ॥ थाया
 साई वीथी ॥ वा इ पित ताया नम लु थनी अत पात
 वा इ ल को ज व व व द व तय का गा पता क ह्या उ
 पं व रता थने माल स प धाय कु मु म्ब ध लि दु दु धेल
 ता सो जं दु दि सा व र ल व ही ला डग थ जा ग व ड जा ते मा
 ल सो धि रे जी या का पू जा गा







ॐ नमो श्री गुरु उवाहा ॐ ह्रीं संक्रा राजा ह्रीं पारस्वाहा
वा ॥ वेव नम संक्रा के

कु स उवा त नो हि हि हि स ही स ही ह्रीं कुरु वा हे ही ल ग बुद्धम
११०८ थो म ग मुजा पत स चो ये म च म बु या व य के

ॐ क ये तान लो य स्वाहा ११०८ वा

थो म व न मी सा व स्ये का य गु

त वा व जी मी वा फु सी ई मा या जा नट या स न श्री वा या स पु सी या
ई ता टी ता या वा ई का प का म जा प त स नो य

ॐ नमो श्री गुरु आग्या तेरी ज्वर त तिमालो हूँ फल स्वाहा
वाल्मव १७८ मे व न मयु यात स्वा ज्वर स्व से थ गुरु मां न या
ना ह्म देवी पुजा या य स तु स ताम का य ज प मा य थ तथा दु म
धी व य त ला ई व उ त सु म

क वृच

ॐ नि त्पे ल धि म स त्प स्वाहा १०५ सा ला घे घा के
ॐ नमो श्री गुरु आग्या कैं का ली दे वी स आँ हूँ हूँ हिँ हिँ फल स्वाहा धा
मसा न या न सि ह्न स बु य क र व र्ज व
बो ये (ॐ) सी वी गुरु आग्या वृ ज्र जोगी नी को आ जा धा १०८ उ स तु पा
दे स क न ह उ या लि यु गु ल

ॐ कये ता न लो मे स्वाहा ध्यात्वा १०८ धर्म व वजी जप याना न के
न स्ये या य जुल तया व सिं व मि कु व सिं व ई मा या जा व भौ या स व
सि वा या स १ बु सि ई ता थी ता या वा दु स्व या वा ई का प ल का
दु थ ले भू जा प व स ह

ॐ नमो श्री गुरु आग्ना तेरी ज्व म त लो मा लो हुं फ तु त्वा हा
धात्वा १०८ मे वं न प बु या त सा उ त र स्व सा थ गु त मा न्य
या व दे वी पु ज या य स बु या ना म वा या पु ज या य उ त या दु न
द्वि व य त्वा ई न जु ल पु म

ॐ नमो श्री गुरु वि हिं हिं हिं फ त्वा हा ध्या १ धर्म व न मु सा
न या का स त स ल व म के ही व ई व न ता नो ये मु सा न स
शु ने त के पु पु ना ज या य

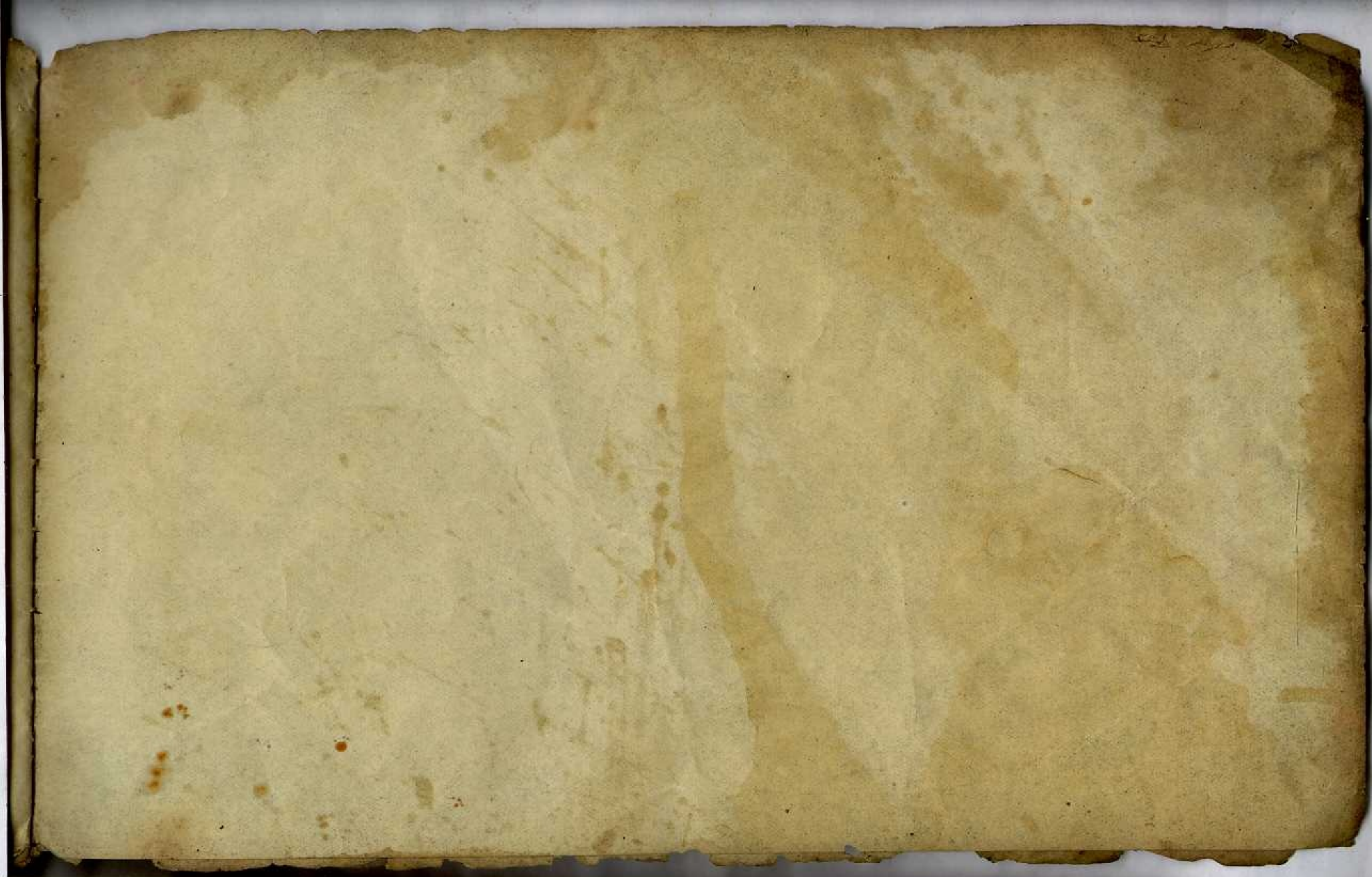
ॐ नमो का ज नं अजीर नं फ कि फि खाहा २१ सम न स सं या चा ल सा व कं न न प ल पा न
प थ स दू सी ज ल न नः कं हा या दु प्र वे र्ण बा वि ती ३ गा ज प ल पा न मे ला मा गे ठ स ता
थ ने मे सा ड ड म की य के ज ल
जु लु बा

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or introductory passage, located at the top of the page. The text is faint and partially obscured by water damage.

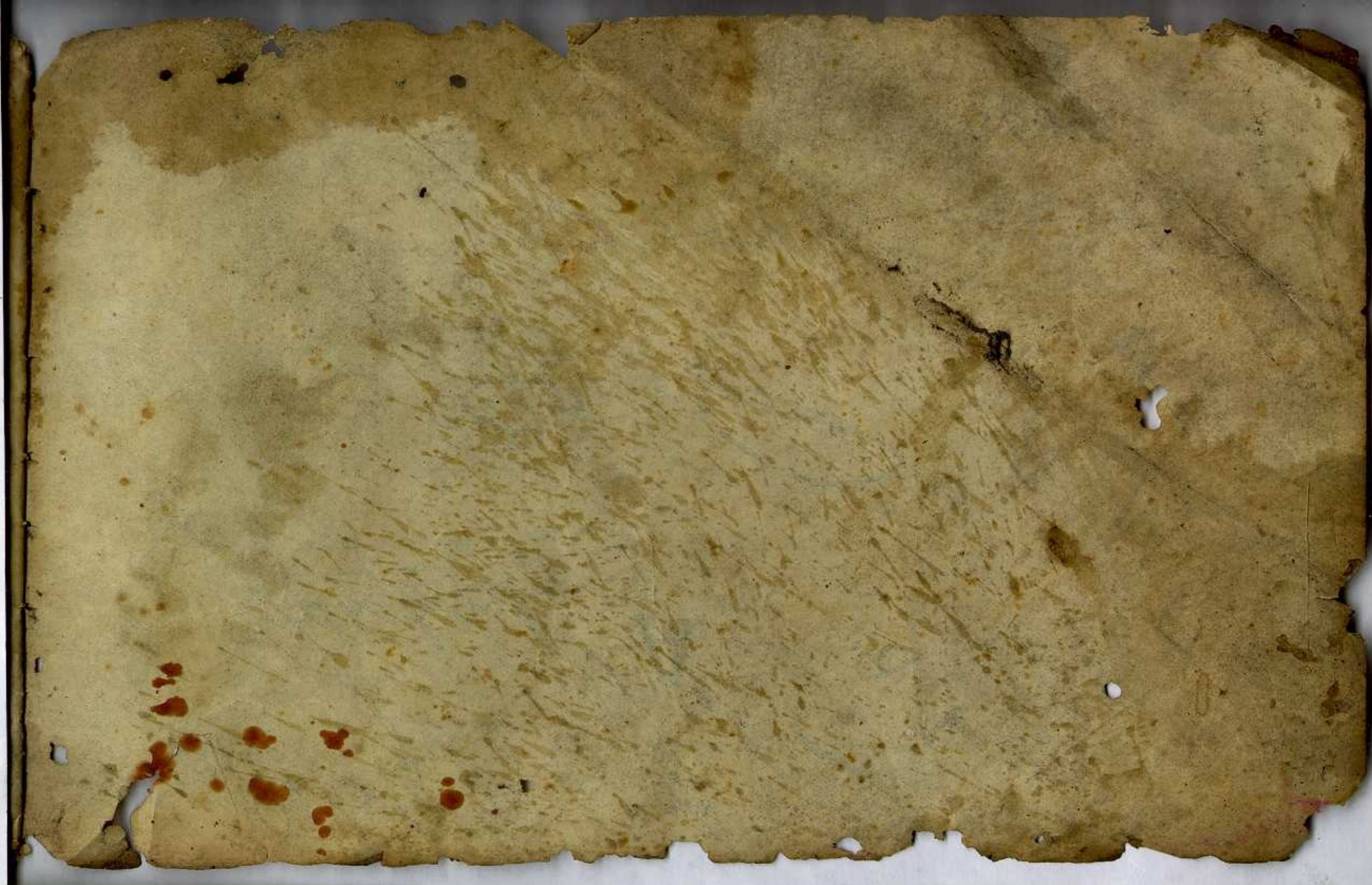
Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of several lines of prose. The text is significantly faded and obscured by large, irregular water stains that cover the majority of the page area.











REMA ARCHIVES

1.684

1844

KL

RMMN

57 1111

ADJR

W
C
M
C
13

A
B
I

Handwritten flourish

Handwritten flourish

Handwritten flourish

Handwritten flourish

Handwritten flourish

Handwritten flourish